संप्रेषण के प्रकार (Types of Communication)

संबंधों के आधार पर संप्रेषण का वर्गीकरण

1. अवैयक्तिक संप्रेषण - (Impersonal Communication

अवैयक्तिक संप्रेषण को हम आत्म-चर्चा, आत्म-विचार या आत्म-मंथन के रूप में भी जाना जाता है। इसमें संदेश-प्रेषक एवं संदेश प्राप्तकर्ता एक ही व्यक्ति होता है, यह एक स्व-चालित संप्रेषण प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से मनुष्य स्वयं का एवं दूसरों का मूल्यांकन करता है, इसमें ध्यान लगाना, चिंतन करना, इष्ट देव से प्रार्थना करना, इत्यादि सम्मिलित हैं।

हम प्रायः ऐसे शब्दों का प्रयोग करते हैं - हे परमात्मा यह क्या हो गया, (Oh No) (जब किसी संकट की स्थिति में हो), वाओ (जब उत्तेजित हो), इत्यादि। ये सब भी अतः वैयक्तिक संप्रेषण के उदाहरण हैं।

इस प्रकार के संप्रेषण का प्रयोग हम अपने जीवन की संभव योजना तैयार करने के लिए, हम जीवन में जो करना चाहते हैं, उसका पूर्वाभ्यास करने के लिए करते हैं।

जिस प्रकार से हम स्वयं से संवाद स्थापित करते हैं, वह हमारे आत्मसम्मान

Scanned with CamScanner

को प्रभावित करता है। यदि कोई व्यक्ति परीक्षा में विफल हो जाए, स्वयं से कहे, "मैं कितना बुरा हूँ, कुछ करने लायक नहीं हूँ।" इसी ओर वह स्वयं से यह कहे, "मैं बेहतर कर सकता हूँ।"

Scanned with CamScanner

2- अंतर्वैयक्तिक सम्प्रेषण (Interpersonal Communication)

अन्तर्वैयक्तिक सम्प्रेषण से तात्पर्य दो व्यक्तियों के बीच विचारों, भावनाओं और सूचनाओं के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष आदान प्रदान से है, इसके लिए दो व्यक्तियों के बीच सम्पर्क का होना जरूरी है, अतः अन्तर्वैयक्तिक सम्प्रेषण दो तरफा (two way) प्रक्रिया होती है, अन्तर्वैयक्तिक सम्प्रेषण में प्रतिपुष्टि (Feedback) का महत्वपूर्ण स्थान है, इसी के आधार पर सम्प्रेषण प्रक्रिया आगे बढ़ती है, टेलीफोन पर वार्तालाप, ई-मेल या सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर चैटिंग अन्तर्वैयक्तिक सम्प्रेषण के अन्तर्गत आते है। संदेश भेजने के अनेक तरीके होते है, जैसे - भाषा, शब्द, चेहरे की प्रतिक्रिया, हाथ हिलाना, आगे पीछे हटना, सिर हिलाना इत्यादि

Scanned with CamScanner

3- समूह सम्प्रेषण (Group Communication)

यह अन्तर्वैयक्तिक सम्प्रेषण का विस्तार है जहा दो से अधिक व्यक्ति विचारो एवं कौशल का आदान-प्रदान करते है।

Scanned with CamScanner

समूह सम्प्रेषण की प्रक्रिया को समझने के लिए समूह के बारे में जानना आवश्यक है। समूह सम्प्रेषण कितना बेहतर होगा, प्रतिपुष्टि कितनी अधिक मिलेगी, यह समूह के प्रधान और उसके सदस्यों के परस्पर सम्बन्धों पर निर्भर करता है। इसमें सामूहिक निर्णय लेने, आत्म अभिव्यक्ति, व्यक्तिगत प्रभाव में वृद्धि आदि को सम्मिलित किया जाता है।

Scanned with CamScanner

4- जन संप्रेषण :- (Mass Communication)

आधुनिक युग में जन संप्रेषण काफी प्रचलित शब्द है। इसका निर्माण दो शब्दों जन + संप्रेषण करने के योग से हुआ है। जन संप्रेषण का अर्थ विशाल जनसमूह के साथ संप्रेषण करने से है। इसे 'सहभागिता संप्रेषण' भी कहा जाता है। यह यांत्रिक उपकरणों का उपयोग करता है। जिससे कई संदेशों को एक साथ बहुत लोगों तक पहुंचाया जा सकता है। इसमें संप्रेषण के लिए औपचारिक व व्यवस्थित संगठन होता है। समाचार पत्र टेलीविजन, रेडियो, सिनेमा, इन्टरनेट, इत्यादि आधुनिक जन संप्रेषण माध्यम है।

Scanned with CamScanner